Caritas INDIA
The Joy of Service...

MEERUT SEVA SAMAJ
तमसो मा ज्योतिर्गमय

किसानों के लिए
उन्नत व जैविक
खेती हेतू मार्गदर्शीका

सक्षम परियोजना
SAKSHAM PROJECT

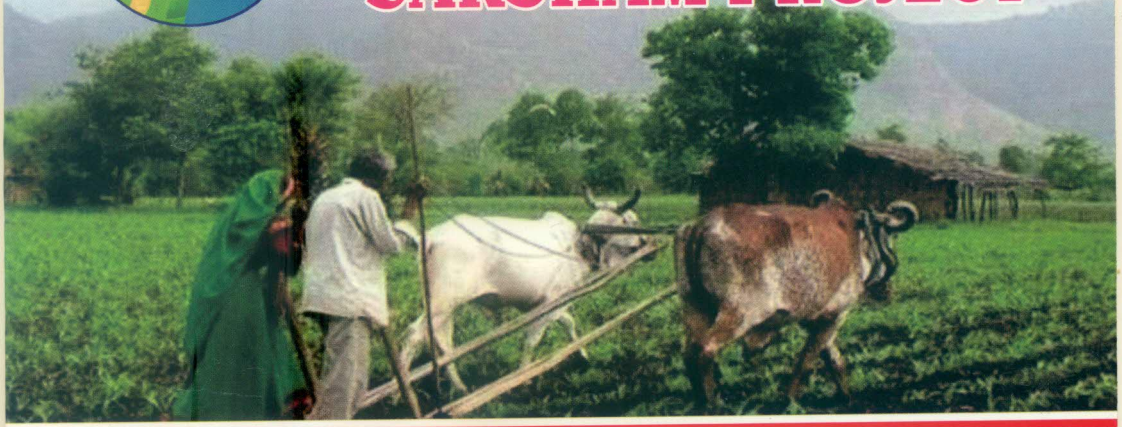

मेरठ सेवा समाज
कंकरखेडा, मेरठ कैंन्ट

जैविक खेती

जैविक खेती की ऐसी प्रक्रिया जिसमे उत्पादन के लिए प्रयोग किए जाने वाले निवेशों का आधार जीव अंश से उत्पादित हो और पशु मानव एवं भूमि के स्वास्थ्य को स्थिरता प्रदान करते हुए स्वछता के साथ पर्यावरण को भी प्रेषित करें, जैविक खेती कही जाएगीं ।

जैविक खेती की प्रक्रिया

खेत की तैयारी

जैविक खेती के लिए हमेशा गर्मी की जुताई करना तथा उसमें उसके बाद हरी खाद की बुआई करना जरूरी रहता है खेत की तैयारी पशुओं के द्वारा पशु चालित यंत्रों से करना चाहिए ।

बुआई

बुआई के लिए यथा संभव जैविक बीज का प्रयोग करते हुए जैविक विधि से या जैव उर्वरकों से बीच शोधन करके बीज की बुआई पशु चालित मशीन जैसे – बैल चालित सीड ड्रिल या नाई – चोंगा आदि से करना चाहिए । बीज शोधन गोमूत्र, दही आदि से भी कर सकते हैं ।

जैव उर्वरक द्वारा बीज शोधन

खाद

पोषक तत्वों की पूर्ति के लिए जीवाणुओं से निर्मित खाद का प्रयोग करना चाहिए जैसे – मल–मूत्र, खून, हड्डी, चंमड़ा, सींग, फसल अवशेष, खरपतवार से निर्मित होने वाली खादे या वर्मी कंपोस्ट, नाडेप कंपोस्ट, काऊपैट पिट कंपोस्ट आदि का प्रयोग करना चाहिए तथा जैव उर्वरको से भूमि शोधन अवश्य करना चाहिए।

सिंचाई एवं खरपतवार नियंत्रण

सिंचाई पशु चालित यंत्रों जैसे– बैल चालित सेंट्रीफ्यूगल पंप, सोलर पंप, नहर आदि से करना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण हाथ से निराई–गुड़ाई करके या पशु या मानव से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग करके करना चाहिए।

कीटो से रक्षा

कीटो से रक्षा के जैविक कीट नाशियो जैसे नाम – ट्राइकोग्रामा कार्ड, ब्यूवेरिया बेसियाना, बी.टी., एन.पी.वी., मित्र कीट, फेरोमोन ट्रैप,